PG/IIIS/HIN/302/24

M.A. 3rd Semester Examination, 2024

HINDI

(*हिंदी नाटक और रंगमंच*)

PAPER – HIN-302

Full Marks : 50

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दें : 10×2

(क) "अंधेर नगरी लोभ और भोग का आख्यान है", इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं–तर्क पूर्ण उत्तर दीजिए ।

(ख) 'औरत' नाटक के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए ।

(ग) नाट्य–कला के आधार पर 'आधे–अधूरे' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

(घ) हिन्दी रंगमंच के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5 × 4

(क) "चुरन साहब लोग जो खाता, सारा हिन्द हजम कर जाता ।
चूरन पुलिस वाले खाते, सब कानून हजम कर जाते ।"
– सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(ख) "तुम्हारी शब्दावली उसी औरत की बात करती है
जिसके हाथ साफ है
जिसका शरीर नर्म है
जिसकी त्वचा मुलायम है और जिसके बाल खुशबूदार है ।"
यह अंश किस पाठ का है ? उसके लेखक कौन हैं ?
– ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

(ग) महेन्द्रनाथ का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

(घ) "मैं सोचती थी कम से कम एक बार तो मेरा कहा मानोगे ।

पर नहीं, तुम केवल अपने लिए जीते हो ? अपनी खुशी के परे तुम्हें कुछ नहीं दिखाई देता ।" इस उध्दृतांश के श्रोता-वक्ता कौन हैं ?
- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) "मूर्खों ने स्वार्थ के लिए साम्राज्य के गौरव का सर्वनाश करने का निश्चय कर लिया है । सच है, वीरता जब भागती है, तब उसके पैरों से राजनीतिक छलछन्द की धूल उड़ती है ।"- सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(च) "उसकी स्थिति की विडम्बना इस बात में है कि उसे एक ओर अन्धा और दूसरी ओर राजदरबारी बना दिया है । इस कारण वह और भी ज्यादा अकेला हो गया है । उसके स्वभाव में अवसाद और कटुता भर गई है ।" - ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

[Internal Assessment — 10 Marks]